Naturopathy
&
Yoga Courses

PROSPECTUS

Chikitsa Sahayak (One Year and Three Months) &
Diploma in Naturopathy and Yoga (N.D.D.Y.)
(Three-and-a-half Years Courses)

Revised From April, 2021

Sponsored By
GANDHI SMARAK PRAKRITIK CHIKITSA SAMITY
15, Rajghat Colony, Ring Road, New Delhi-110002
Phone : 23311495
E-mail : gspcs1970@gmail.com, chairmangspcs@gmail.com
Web : gspcsindia.com

Price : 100/

COPY
CERTIFICATE OF REGISTRATION OF SOCIETIES
ACT XXI OF 1860

No. So. S/4706 or 1970-71

I herby certify that Gandhi Smarak Prakritik Chikitsa Samiti has this day been registered under the Societies Registration Act XXI of 1860.

Given under my hand at Delhi/New Delhi this 22 day of October

One Thousand Nine Hundred and 70 Registration Fee of Rs. 50/- paid.

SD/REGISTRAR OF SOCIETIES
DELHI ADMINISTRATION
DELHI
COMPARED
CERTIFIED TO BE TRUE COPY
· SD/
REGISTRAR OF SOCIETIES
DELHI

Kaushic

26-04-76

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग (लिखित) द्वारा स्वयं स्वास्थ्य–ज्ञान पाठयक्रम

नियमावली

गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति की स्थापना प्राकृतिक चिकित्सा एवं उसके सिद्धान्तों के प्रचार–प्रसार हेतु की गयी थी। समिति को सन् 1970 में सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया।

'चिकित्सा सहायक' का प्रमाण पत्र तथा 'प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा' पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया था। इसके नियमों को सन् 1990 से लागू किया गया। सन् 1996 में डिप्लोमा के पाठ्यक्रम में योग को भी सम्मिलित किया गया। यह अब एन.डी.डी.वाई. डिप्लोमा के नाम से जाना जाता है।

प्रशासनिक रूपरेखा

गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति, सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI 1860 के अन्तर्गत कार्य करती है।

समिति द्वारा ली जाने वाली परीक्षाएं

समिति निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देती है एवं उनकी परीक्षाएं लेती है।

1. चिकित्सा सहायक

इस परीक्षा का उद्देश्य चिकित्सा सहायक तैयार करना है।

2. प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग में डिप्लोमा (एन.डी.डी.वाई.)

इसका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग में वैज्ञानिक सिद्धान्तों के परिप्रेक्ष्य में ऐसे योग्य चिकित्सकों को तैयार करना है जो प्राकृतिक चिकित्सा सिद्धान्तों के अनुरूप रोगी की सेवा करने में सक्षम हों।

(**नोटः** पहले चलाए जा रहे प्राकृतिक चिकित्सा में डिप्लोमा (एन.डी.) को ही 1996 में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग (एन.डी.डी.वाई.) डिप्लोमा में परिवर्तित किया गया। इसी प्रकार 'सहायक चिकित्सक प्रमाण पत्र' को 'चिकित्सा सहायक' में परिवर्तित किया गया है।)

चिकित्सा सहायक प्रमाण पत्र

3. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता

(क) चिकित्सा सहायक की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से हाई स्कूल अथवा इसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

(ख) विशेष स्थिति में कम से कम 10 वर्ष का प्राकृतिक चिकित्सा में अनुभव होने तथा हिन्दी लिखने व पढ़ने की अच्छी योग्यता रखने वालों को एकेडमी कार्यालय या शिक्षण व्यवस्थापक के संतुष्ट होने पर इसमें छूट भी दी जा सकती है।

4. न्यूनतम आयु

चिकित्सा सहायक परीक्षा में सम्मिलित होने के समय छात्र की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।

5. चिकित्सा सहायक की परीक्षा में दो सत्र होंगे।

6. कोई भी छात्र चिकित्सा सहायक की परीक्षा में दोनों सत्रों में एक साथ नहीं बैठ सकता। दोनों सत्रों में कम से कम छः माह का अन्तराल होना आवश्यक है।

7. चिकित्सा सहायक की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर प्रत्येक छात्र को तीन माह का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना अनिवार्य है।

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का डिप्लोमा

8. प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का डिप्लोमा पाठ्यक्रम तीन वर्ष का है। अन्तिम परीक्षा के बाद 6 माह का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना अनिवार्य है। पाठ्यक्रम को निम्न प्रकार से विभाजित किया गया है :–

(क) एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष

(ख) एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष

(ग) एन.डी.डी.वाई. तृतीय वर्ष

9. एन.डी.डी.वाई. में प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यताएं

एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष

(क) एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष परीक्षा के लिए न्यूनतम योग्यता हायर सेकेण्डरी स्तर, बारहवीं स्तर (जीव विज्ञान सहित) या इसके समकक्ष परीक्षा में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या बोर्ड से उत्तीर्ण होनी चाहिए।

(ख) इण्टरमीडिएट परीक्षा या उसके समकक्ष कला वर्ग, विज्ञान (गणित) तथा चिकित्सा सहायक परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थी भी एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष में प्रवेश पा सकते हैं। लेकिन उनके लिए सामान्य विज्ञान की अतिरिक्त परीक्षा देनी अनिवार्य है।

(ग) वे विद्यार्थी जो राज्य अथवा केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी निदान पद्धति में 'रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर' के रूप में पंजीकृत हैं।

उन्हें भी एन.डी.डी.वाई. (प्रथम वर्ष) में प्रवेश मिल सकता है। परन्तु उन्हें सामान्य विज्ञान के अनिवार्य प्रश्न पत्र में उत्तीर्ण होना होगा।

10. एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष

(क) एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष में केवल उन्हें ही प्रवेश मिलेगा जिन्होंने एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष उत्तीर्ण कर लिया है।

अथवा

(ख) केवल एम.बी.बी.एस., बी.ए.एम.एस., बी.यू.एम.एस. फिजियोथेरेपी (डिग्री कोस), बी.पी.एड. (डिग्री कोस), बी. फार्मा तथा बी.एस.सी. नर्सिंग कोर्स, बी.एच.एम.एस. (साढ़े चार वर्षीय कोस) तथा बी.डी.एस. (साढ़े चार वर्षीय कोस) में संस्थागत विद्यार्थी के रूप में सरकारी अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से उत्तीर्ण छात्र प्रमाण पत्र की सत्य प्रतिलिपि के आधार पर एनः डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश ले सकते हैं।

ऐसे सभी छात्रों को प्राकृतिक चिकित्सा सिद्धान्त, मिट्टी चिकित्सा, पर्यावरण आदि विषयों का प्रथम वर्ष का प्रथम प्रश्न पत्र देना अनिवार्य होगा। ऐसे छात्र तृतीय वर्ष के लिए यदि चाहें तो अपने दायित्व पर परीक्षा परिणाम आने से पूर्व भी आगामी सत्र की परीक्षा हेतु नियमानुसार आवेदन पत्र भर सकते हैं। लेकिन तृतीय वर्ष की परीक्षा में बैठने की स्वीकृति द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर ही मिलेगी।

अथवा

(ग) प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का द्विवर्षीय या त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स चलाने वाली संस्थाओं के प्रथम वर्ष में उत्तीर्ण छात्रों को भी, यदि उनके पाठ्यक्रम में प्रथम व में शरीर रचना विज्ञान तथा शरीर क्रिया विज्ञान पढ़ाया गया हो तो उन्हें द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश मिल सकता है। ऐसे सभी परीक्षार्थियों को एन. डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष का प्रथम प्रश्न पत्र देना अनिवार्य होगा। साथ ही वे तृतीय वर्ष की परीक्षा में एक वर्ष के अन्तराल पर ही सम्मिलित हो सकेंगे।

(घ) किसी भी संस्था से प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का द्विवर्षीय या त्रिवर्षीय डिप्लोमा प्राप्त करने वालों को भी एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष में प्रवेश दिया जाएगा। वे भी तृतीय वर्ष की परीक्षा में एक वर्ष के अन्तराल पर ही सम्मिलित हो सकेंगे। लेकिन उन्हें प्रथम वर्ष का प्रथम पत्र देना अनिवार्य होगा।

(इ) पूर्व में द्वितीय वर्ष में सीधे बैठने की छूट प्राप्त परीक्षार्थियों के अतिरिक्त अन्य सभी छूट पाने वाले परीक्षार्थियों को द्वितीय वर्ष की परीक्षा पास करने के पूर्व निर्धारित समयानुसार ही तृतीय वर्ष में सम्मिलित किया जाएगा।

11. एन.डी.डी.वाई. तृतीय वर्ष

ऐसे सभी छात्र, जिन्होंने एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, इसमें प्रवेश ले सकेंगे।

परीक्षा सम्बन्धी आवश्यक नियम

12. सभी परीक्षाओं में सम्मिलित छात्रों को मौखिक परीक्षा देना अनिवार्य होगा। जो छात्र मौखिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होंगे, उन्हें उस परीक्षा में अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा तथा उन्हें पुनः नये सिरे से आवेदन पत्र भरना होगा। मौखिक परीक्षा में छात्र द्वारा तैयार किए गए चार्ट या मॉडल पर (10 अंक) इन्टरनल एसेसमेन्ट अर्थात् मूल्यांकन पर (20 अंक) प्रैक्टिकल (20 अंक) तथा मौखिक प्रश्न के (50 अंक) शामिल होंगे।

13. सभी परीक्षाओं का माध्यम हिन्दी, अंग्रेजी तथा अपनी प्रादेशिक भाषा हो सकती है।

14. कोई भी छात्र एकेडमी की दो परीक्षाओं में एक साथ सम्मिलित नहीं हो सकेगा।

15. डिप्लोमा की दो परीक्षाओं के बीच कम से कम एक वर्ष का अन्तराल होना आवश्यक है।

16. प्रत्येक छात्र को परीक्षा केन्द्र पर चलने वाली कक्षाओं में कम से कम 90 प्रतिशत व्याख्यानों में सम्मिलित होने पर ही परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए व्यवस्था शुल्क तथा प्रायोगिक सुविधा होने पर परीक्षा शुल्क के अतिरिक्त शिक्षण शुल्क केन्द्र को पृथक से देना होगा।

परीक्षाओं का कार्यक्रम

17. विशेष परिस्थितियों को छोड़कर समिति की सभी परीक्षाएं सामान्यतः वर्ष में दो बार जून तथा दिसम्बर में आयोजित की जायेंगी।

परीक्षा हेतु आवेदन

18. छात्र को अपना पूर्णरूप से भरा हुआ आवेदन पत्र एकेडमी के कार्यालय में सीधे या शिक्षण केन्द्र व्यवस्थापक के माध्यम से समय से जमा करा देना चाहिए।

19. न्यूनतम योग्यता, जन्मतिथि, उत्तीर्ण परीक्षा के प्रमाण पत्रों की सत्य

प्रतिलिपि एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो सहित पूर्णरूप से भरे हुए फार्म एकेडमी के कार्यालय में या केन्द्र व्यवस्थापक के माध्यम से अंतिम तिथि तक पहुंचने पर ही परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकेगी।

20. जून तथा दिसम्बर की परीक्षा हेतु फार्म भरने की अंतिम तिथि क्रमशः 31 मार्च व 30 सितम्बर होगी।

21. उपर्युक्त तिथि के बाद आने वाले फार्मों को विलम्ब शुल्क के साथ क्रमशः निम्न प्रकार से जमा करना होगाः

जून की परीक्षा हेतु	**1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक**	**150 रु.**
	16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक	**300 रु.**
दिसम्बर की परीक्षा हेतु	**1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक**	**150 रु.**
	16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक	**300 रु.**

नोट : उपरोक्त अंतिम तिथि के बाद कोई भी फार्म स्वीकार नहीं किया जाएगा और उसे आगामी परीक्षा हेतु सुरक्षित कर लिया जाएगा। इन नियमों या विलम्ब शुल्क आदि में कोई भी रियायत देने का अधिकार उपसमिति का होगा। अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों को परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिन के अन्दर आवेदन पत्र भरने की छूट होगी।

23. जो छात्र जिस केन्द्र से फार्म भरेगा या छात्र की सुविधा को देखते हुए, समिति जिस केन्द्र पर भेजेगी, छात्र को उसी केन्द्र से परीक्षा देनी होगी। यदि किसी कारणवश कोई छात्र केन्द्र बदलवाना चाहता है तो उसे समिति की परीक्षा से 30 दिन पूर्व लिखित रूप में 500 रुपये शुल्क के साथ प्रार्थना पत्र देना होगा, जिसका अंतिम निर्णय एकेडमी करेगी।

24. (क) लिखित प्रश्न पत्रों की संख्याः चिकित्सा सहायक प्रथम सत्र की परीक्षा में एक, चिकित्सा सहायक, द्वितीय सत्र तथा एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में दो प्रश्न पत्र हल करने होंगे। जबकि एन.डी.डी.वाई. तृतीय वर्ष में तीन प्रश्न पत्र हल करने होंगे।

(ख) सीधे एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष में सम्मिलित होने वाले छात्रों को तीन प्रश्न पत्र हल करने होंगे।

(ग) प्रत्येक वर्ष लिखित परीक्षा के साथ मौखिक परीक्षा भी होगी जो उसी सत्र में देनी होगी। इस परीक्षा में मौखिक प्रश्नों के साथ चार्ट या मॉडल, प्रोजेक्ट, इन्टरनल एसेसमेंट तथा प्रायोगिक कार्य का भी मूल्यांकन होगा। इनके अधिकतम अंक क्रमशः 10, 20, 20 तथा 50 होंगे। केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा इन्टरनल एसेसमैंट के अधिकतम अंक 20 होंगे।

25.

परीक्षा सम्बन्धी शुल्क	राशि (रुपये)
नियमावली एवं फार्म	100.00
चिकित्सा सहायक प्रथम सत्र	800.00
चिकित्सा सहायक द्वितीय सत्र	900.00

एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष	1000.00
एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष	1200.00
एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष (सीधे)	2,000.00
एन.डी.डी.वाई. तृतीय वर्ष	1,400.00
सामान्य विज्ञान	300.00
दोबारा जांच शुल्क (प्रति प्रश्न पत्र)	300.00
विलम्ब शुल्क	400.00
प्राकृतिक उपचार मासिक (अनिवार्य)	150.00
डिप्लोमा शुल्क	500.00

केन्द्र द्वारा निर्धारित कक्षा एवं व्यावहारिक ज्ञान शुल्क अतिरिक्त देय होगा।

26. **जमा किया गया शुल्क किसी भी अवस्था में वापिस नहीं होगा।** किन्तु यदि छात्र परीक्षा समाप्ति से 15 दिन बाद तक परीक्षा में सम्मिलित न हो पाने की सूचना उचित कारण प्रमाण सहित एकेडमी को देता है, तो समिति चाहे तो उसके शुल्क को अगली परीक्षा में लगा सकती है, अन्यथा आवेदन पत्र के साथ शुल्क दोबारा जमा कराना होगा।

27. परिणाम घोषित होने के एक माह के भीतर दोबारा जांच के लिए आवश्यक शुल्क के साथ आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा परिणाम

28. चिकित्सा सहायक की लिखित तथा मौखिक परीक्षा में अलग–अलग कम से कम 33 प्रतिशत तथा एन.डी.डी.वाई. लिखित प्रश्न पत्रों एवं मौखिक परीक्षा में अलग–अलग कम से कम 40 प्रतिशत अंक तथा लिखित एवं मौखिक परीक्षाओं का योग 45 प्रतिशत न्यूनतम होने पर ही छात्र को उत्तीर्ण माना जाएगा। परीक्षार्थी के अनुत्तीर्ण होने पर शुल्क दोबारा देय होगा।

29. श्रेणी निर्धारण

(अ) चिकित्सा सहायक

न्यूनतम उत्तीर्णांक	33 प्रतिशत
द्वितीय श्रेणी	45 प्रतिशत
प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत
विशेष योग्यता	75 प्रतिशत

(ब) एन.डी.डी.वाई. परीक्षा

न्यूनतम उत्तीर्णांक (प्रश्न–पत्र में 40 प्रतिशत) कुल योग में 45 प्रतिशत

द्वितीय श्रेणी	50 प्रतिशत
प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत
विशेष योग्यता	75 प्रतिशत

30. चिकित्सा सहायक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद चिकित्सा सहायक का प्रमाण पत्र तथा एन.डी.डी.वाई. अन्तिम परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद एन.डी.डी.वाई. का प्रमाण पत्र (डिप्लोमा) एकेडमी द्वारा प्रदत्त किया जाएगा। एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष तथा तृतीय वर्ष का अलग से प्रमाण पत्र (डिप्लोमा) नहीं होगा। परन्तु प्रत्येक सत्र की परीक्षा की अंक तालिका अवश्य जारी की जाएगी। एन.डी.डी.वाई. के तीनों वर्षों के प्राप्ताकों के आधार पर ही श्रेणी दी जाएगी।

31. जो छात्र केवल चिकित्सा सहायक बनना चाहते हैं, उन्हें चिकित्सा सहायक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद एकेडमी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र में तीन माह का व्यावहारिक ज्ञान का प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। यह प्रमाण पत्र पाने के बाद ही उक्त छात्र चिकित्सा सहायक का प्रमाण पत्र पाने का अधिकारी माना जा सकेगा।

32. जो छात्र एन.डी.डी.वाई. फाइनल पास कर चुकेंगे उन्हें समिति द्वारा मान्यता प्राप्त प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्रों से 6 माह के व्यावहारिक ज्ञान का प्रमाण पत्र तथा प्रोजेक्ट रिपोर्ट (एकेडमी द्वारा मान्यता प्राप्त केन्द्र से) प्रस्तुत करनी होगी। इसके बाद उनका पुनः साक्षात्कार होगा जिसमें विद्यार्थी के संतोषजनक आचरण पर विचार करने के पश्चात ही प्रमाण पत्र (डिप्लोमा) प्रदान किया जाएगा।

पूरक परीक्षा

33. वह परीक्षार्थी जो किसी एक लिखित परीक्षा में अनुत्तीर्ण है और कृपांक का अधिकारी नहीं है, अधोलिखित शर्ते पूरी करने पर ही उस विषय की आगामी पूरक परीक्षा में बैठने का अधिकारी होगा।

(अ) उसने उस प्रश्न पत्र में कम से कम 30 अंक प्राप्त किए हों।

(ब) वह परीक्षा के कुल योग के आधार पर उत्तीर्ण हो रहा हो।

(स) पूरक परीक्षा में बैठने का शुल्क रुपये 300.00 जमा कराया हो।

34. **ज्ञान और अधिकार के दुरुपयोग के मामलों में प्राकृतिक चिकित्सा का डिप्लोमा धारक व प्राकृतिक सहायक प्रमाण पत्र धारक स्वयं उत्तरदायी होगा। समिति को ऐसे चिकित्सक/सहायक के डिप्लोमा/प्रमाण पत्र रद्द करने का पूरा अधिकार है।**

35. परीक्षा सम्बन्धी किसी भी प्रकार के कानूनी विवाद दिल्ली न्यायालय में ही सुलझाए जा सकेंगे।

पाठ्यक्रम

चिकित्सा सहायक

1. प्रथम सत्र **पूर्णांक 100**

(क) प्राकृतिक चिकित्सा की परिभाषा। विभिन्न प्राकृतिक चिकित्सालयों व उरूलीकांचन का महत्व। गांधी जी के कुदरती उपचार के प्रयोग, स्वस्थ जीवन के नियम, पंच महाभूत एवं उनका शरीर से सम्बन्ध, रामनाम और ब्रह्मचर्य का महत्व, उत्तेजक एवं मादक पदार्थों का निषेध क्यों? गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति की प्रवृतियां इत्यादि।

(ख) मिट्टी, पानी के गुण व प्रयोग विधि।

(ग) प्राकृतिक चिकित्सा की विभिन्न उपचार विधियों की जानकारी।

2. मौखिक परीक्षा **पूर्णांक 100**

द्वितीय सत्र

1. प्रथम प्रश्न पत्र **पूर्णांक 100**

(क) प्राकृतिक चिकित्सा के मूलभूत सिद्धान्त, आहार, श्रम, विश्राम आदि का संतुलन। पंच महाभूतों का प्रयोग। रोग उत्पत्ति के कारण और उनका प्रसार। तीव्र रोग व जीर्ण रोग में उपचार व शरीर शुद्धि के माध्यम।

(ख) प्राकृतिक चिकित्सा में आहार संतुलन कब, कितना, कैसा, क्या? पाक कला की प्राकृतिक विधि, खाद्य पदार्थों में मिलावट, कीट नाशक दवाओं एवं रासायनिक खाद का खाद्य पदार्थों पर प्रभाव। सजीव खेती की विधि, कम्पोस्ट खाद बनाने की विधियां।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र **पूर्णांक 100**

(क) दवाओं एवं व्यसनों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव।

(ख) मिट्टी, जल, वायु, खाद्य पदार्थ, चरित्र तथा ध्वनि के प्रदूषण का शरीर पर प्रभाव। मिट्टी, जल एवं मालिश चिकित्सा की विधियां, एनिमा, कटिस्नान, भापस्नान, गीली चादर लपेट, विभिन्न पट्टी लपेट आदि।

(ग) योगासन, प्राणायाम, षट्–कर्म की विधियाँ।

(घ) चिकित्सा सहायक के कर्त्तव्य एवं व्यवहार।

(ङ) प्राथमिक उपचार।

3. मौखिक परीक्षा **पूर्णांक 100**

सामान्य विज्ञान

(केवल उन छात्रों के लिए जिन छात्रों ने इण्टरमीडिएट परीक्षा या समकक्ष परीक्षा में जीव विज्ञान की परीक्षा नहीं दी है)

जीव विज्ञान (Biology) **पूर्णांक 100**

1. शरीर की विभिन्न प्रणालियों एवं तंतु कोशिकाओं का अध्ययन मांसपेशी संस्थान, पाचन संस्थान, रूधिर परिवहन संस्थान, तंत्रिका तंत्र संस्थान, श्वसन संस्थान, सन्तानोत्पादक संस्थान, अस्थि संस्थान, विभिन्न संधियाँ, लिम्फेटिक, एन्डोक्राइन ग्लेंडस तथा ज्ञानेन्द्रियों की रचना एवं कार्य। रक्त की रचना एवं कार्य।
2. **जन्तु विज्ञान (Zoology)** जीवाणु, कीटाणु एवं विषाणुओं की प्रजाति तथा उनका रोग से सम्बन्ध, सड़न (Decomposition) तथा आसवीकरण (Fermentation).
3. **वनस्पति विज्ञान (Botany)** प्रकाश संश्लेषण क्रिया। जड़ तना व पत्ते की बनावट व कार्य। वनस्पति की उपयोगिता। प्राणी तथा वनस्पति कोशिका में अन्तर।
4. **भौतिक विज्ञान (Physics)** प्रकाश का आवर्तन एवं परावर्तन, विकिरण। प्रकाश की रचना, उपयोगिता। उष्मा मापने की विविध विधियाँ। उष्मा का जीवन में उपयोग। गुप्त उष्मा, विशिष्ट उष्मा, घनत्व, अपेक्षित घनत्व, ऋतुएं, प्रदूषण। ऊष्मा के कुचालक व सुचालक।
5. **रसायन विज्ञान (Chemistry)** रासायनिक भौतिक परिवर्तन। अम्ल, क्षार व लवण। ऑक्सीजन, हाईड्रोजन, क्लोरीन, नाईट्रोजन आदि गैसों को बनाने की विधियां एवं इनके गुण व कार्य । ठोस, द्रव तथा गैस तत्व। यौगिक तथा मिश्रण। मृदु तथा कठोर जल।

एन.डी.डी.वाई. प्रथम वर्ष

1. प्रथम प्रश्न–पत्र **पूर्णांक 100**

(क) प्राकृतिक चिकित्सा दर्शन स्वास्थ्य क्या है? प्राकृतिक जीवन पद्धति, प्राकृतिक चिकित्सा के मौलक सिद्धान्त, पंच महाभूत–आकाश, वायु, अग्नि, जल व मिट्टी आदि की उत्पत्ति एवं प्राकृतिक चिकित्सा में इनका उपयोग। जीवनी शक्ति, विजातीय द्रव्य, रोग क्या है, रोग मुक्ति, श्रम, विश्राम, व्यायाम, तन, मन एवं आत्मा की एकरूपता। स्वकल्प भावना।

(ख) मिट्टी के उपचारीय गुण। मिट्टी चिकित्सा की विधियाँ।

(ग) प्राकृतिक चिकित्सा का इतिहास एवं विकास क्रम।

(घ) प्राकृतिक चिकित्सा का आयुर्वेद से तुलनात्मक अध्ययन, पंचकर्म, दिनचर्या, ऋतुचर्या, त्रिदोष की विवेचना के साथ।

2. द्वितीय प्रश्न–पत्र **पूर्णांक 100**

(क) शरीर रचना तथा शरीर क्रिया विज्ञान–कोशिका एवं उत्तक की रचना,

मानव शरीर की सभी प्रणालियों, त्वचा, रक्त तथा ज्ञानेन्द्रियों सहित रचना व कार्यों का अध्ययन।

(ख) **पर्यावर्णीय संतुलन** भूमि, वायु, जल, ध्वनि, विकिरण, चरित्र प्रदूषण, खाद्य पदार्थों में मिलावट, जंगलों का कटान, रासायनिक खाद व कीटनाशक औषधियों का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव तथा इनका विकल्प। सजीव खेती, कम्पोस्ट खाद बनाने की विधियाँ।

3. मौखिक परीक्षा **पूर्णांक 100**

एन.डी.डी.वाई. द्वितीय वर्ष

1. प्रथम प्रश्न पत्र **पूर्णांक 100**

(क) **उपवासः** उपवास–चिकित्सा की परिभाषा, भुखमरी एवं उपवास में अन्तर, उपवास के प्रकार, उपवास का मानव शरीर पर प्रभाव, उपवास शुरू करने एवं तोड़ने की विधि। उपवास के समय उत्पन्न उपद्रवों का उपचार। पूर्ण उपवास, आंशिक उपवास के विभिन्न प्रकार, रस पर उपवास। फलों पर या एक आहार पर उपवास, उभाड़। उपवास का निषेध आदि।

(ख) पाचन क्रिया का पूर्ण अध्ययन।

(ग) **पोषणः** पोषण और इसका महत्व, कुपोषण, भोजन के पाचन अवशोषण तथा परिपाक द्वारा प्राकृतिक प्रतिरोध।

(घ) आहार आहार का वर्गीकरण। संतुलित आहार, कृत्रिम आहार और उसका प्रभाव। क्षारीय एवं अम्लीय आहार। शरीर की विभिन्न अवस्थाओं में आहार का महत्व। अपक्वाहार, अंकुरित आहार। मेल–बेमेल आहार। कल्प का सिद्धान्त। पाक शास्त्र का अध्ययन। शाकाहार का महत्व।

2. द्वितीय प्रश्न–पत्र **पूर्णांक 100**

(क) **वैज्ञानिक मालिश सिद्धान्त** : मालिश का शरीर क्रिया, त्वचा, मांसपेशियाँ, रक्त संचार, पाचन प्रणाली, स्नायुतंत्र आदि पर उपचारात्मक प्रभाव। मालिश कब न करें। मालिश करते समय शरीर के मर्मस्थल एवं एक्यूप्रेशर बिन्दुओं पर प्रभाव। मालिश के विभिन्न प्रकार।

(ख) **सूर्य किरण चिकित्सा** : संक्षिप्त इतिहास एवं महत्व, किरणों के सात रंग तथा उनके गुण। रंग चिकित्सा के मौलिक नियम। सूर्य किरणों से विभिन्न वस्तुओं को आवेशित करने की विधि। प्राथमिक रंग और अन्य बाकी रंगों के प्रयोग की विधि व प्रभाव। सूर्य किरण चिकित्सा की सीमा तथा सूर्य स्नान के प्रकार। चक्रों का रंगों से सम्बन्ध।

(ग) **जल चिकित्सा** : जल चिकित्सा के आविष्कारक। जल के उपचारीय गुण,

जल का शरीर के विभिन्न अंगों पर प्रभाव। जल चिकित्सा की विधियाँ, विभिन्न स्नान, एनिमा. लपेट तथा सेंक आदि। ठण्डे जल का थोड़ी देर तथा अधिक देर तक प्रयोग का विभिन्न अंगों का प्रभाव, गरम ठण्डे का प्रभाव।

नोट : 'प्राकृतिक उपचार' के अंकों से तथा चिकित्सा सहायक एवं एन.डी. डी.वाई. के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों से भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

3. मौखिक परीक्षा **पूर्णांक 100**

एन.डी.डी.वाई. तृतीय वर्ष

1. प्रथम प्रश्न पत्र **पूर्णांक 100**

(क) रोग निदान रोग निदान के परम्परागत तथा आधुनिक तरीके।

(ख) तीव्र रोगों की प्राकृतिक चिकित्सा।

(ग) स्त्री सम्बन्धी रोगों की चिकित्सा एवं प्रसव कला।

(घ) मातृत्व कला एवं शिशुपालन।

2. द्वितीय प्रश्न पत्र **पूर्णांक 100**

(क) जीर्ण रोग एवं प्राकृतिक उपचार। सभी संस्थानों के पुराने रोगों की प्राकृतिक चिकित्सा।

(ख) प्राथमिक उपचार।

(ग) सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं आरोग्य।

(घ) प्राकृतिक चिकित्सालयों की व्यवस्था योजना, अनुशासन।

3. तृतीय प्रश्न पत्र **पूर्णांक 100**

योग और षट्कर्म परिभाषा, उद्देश्य, प्रकार, राजयोग, भक्तियोग, हठयोग, ज्ञानयोग, लययोग, कर्मयोग, तन्त्रयोग आदि। योग का दर्शन, सूत्र विभिन्न पद (अष्टांग योग) आसनों का मानव शरीर के विभिन्न अंगों पर प्रभाव, आसनों की विधियाँ, रोग निवारण प्रभाव, आसन, प्राणायाम (स्वकल्प भावनायें), ध्यानमुद्रा, बन्ध, षक्रिया, मुद्रायें, चक्र आदि। यौगिक आसन और व्यायाम में अन्तर। सूर्य नमस्कार।

नोटः प्रश्न–पत्र में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के कोर्स एवं 'प्राकृतिक उपचार' में प्रकाशित सामग्री पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

4. मौखिक परीक्षा **पूर्णांक 100**

RULES

Gandhi Smarak Prakritik Chikitsa Samiti was formed in 1950 with the aim of evolving and systemetizing career training in the field of Naturopathy. The Samiti was registered under the Societies Registration Act (XXI of 1860) in 1970.

The Samiti running training courses of Chikitsa Sahayak and Diploma in Naturopathy and conducting their examinations. With the addition of Yoga the Diploma in Naturopathy was redesignated as Diploma in Naturopathy and Yoga (N.DD.Y.) in 1999

ADMINISTRATIVE STRUCTURE

Gandhi Smarak Prakritik Chikitsa Samiti is formed under the by laws of Societies Registration Act XXI of 1860.

EXAMINATIONS CONDUCTED BY THE ACADEMY

The Samiti runs training courses and conducts followitng examinations:

1. **Chikitsa Sahayak Examination:** This examination aims at training personnel who will assist the Naturopaths in this practice.
2. **Diploma in Naturopathy and Yoga (NDDY):** This diploma enables the personnel to practice Naturopathy and Yoga strictly based on drugless Nature Cure principles.

Note: The Diploma in Naturopathy awarded prior to 1996 will continue to be treated at par with the Diploma in Naturopathy and Yoga (NDDY) Similarly, "Sahayak Chikitsak Praman Patra' has been converted into 'Chikitsa Sahayak".

CHIKITSA SAHAYAK CERTIFICATE

3. **Minimum Qualification:**

   A candidate for the Chikitsa Sahayak examination must have passed Matriculation High School Examination or equivalent thereof from a recognised Education Board.

   A persons who have at least ten years' experience in Naturopathy and have proficiency in reading and writing Hindi, exception can be made by prior approval of the Acedamy.

4. **Minimum Age:**

   Minimum age at the time of appearing for the Chikitsa Sahayak examination shall be 18 years.

5. Chikitsa Sahayak's examination will be held in two parts.

6. Both parts of Chikitsa Sahayak can not be taken simultaneously. There should be a gap of six months between the two session,
7. After passing the Chikitsa Sahayak examination, three months practical training is compulsory.

DIPLOMA IN NATUROPATHY AND YOGA

8. This three years course is followed by compulsory practical training of six monts. The course is designated as follows:
   (a) NDDY Previous (1 st Year),
   (b) NDDY Intermediate (2nd year), and
   (c) NDDY Final (3rd year).

9. Minimum Qualification for Admission

NDDY (Previous) First Year

(a) Minimum qualification for admission to NDDY First year (i.e. previous) is Senior Secondary/Intermediate or an equivalent examination (with Biology, as one of the subjects) conducted by a recognised Education Board/University

Or

(b) Candidates who have passed the Intermediate Examination or equivalent in Humanities or Science (Mathematics) and those who have qualified the Chikitsa Sahayak Examination can also be admitted to the NDDY (Previous). They will be required to take General Science examination as additional but compulsory paper.

(c) Candidates who are registered as registered Medical Practitioners recongnized by State/Central Board in method of diagnosis system of medicine can also be admitted to NDDY (Previous). They will also be required to take General Science examination as an additional compulsory paper.

10. NDDY (Intermediate-Second Year)

(a) NDDY (Intermediate-Second Year) examination can be taken only after a candidate has qualified the NDDY (Previous)

(b) Candidates who have passed an examination recognised by Central or State Government as regular students in MBBS, BAMS, BUMS, Physiothreapy (Degree Course). BPED (Degree Course), B. Pharma and B. Sc (Nursing) courses, BHMS (4 Year course), BDS (4 year course) and BDS instiutional course can seek admission to NDDY Intermediate (2nd year) examination directly. They will, however, have to take an extra paper on "Principles of Nature Cure, Mud Therapy, Natural Environment, etc. Prescribed for First Year of N. D.D. Y.

course. If they so choose, such candidates can at their on risk, fill up application form as per rules for next Third Year session of N. D. D. Y. even before announcement of result However, permission to appear in Third Year will be granted only on passing the Second Year examination.

Or

(c) Candidates holding two or three year's diploma in Natur-opathy and Yoga from any institution will be given admission direct to 2nd Year provided they have been taught Biology and Physiology in the First Year syllabus. Such candidates will have to appear in N. D. D. Y.'s First Year First Paper. Also, they will have to give one year's gap between Second and Third Year Examinations.

(d) Two year and Three year Diploma in Naturopathy and Yoga from any institution can be given admission to Second Year of N. D.D. Y. Such candidate will also be allowed to appear in Third Year Examination only after a gap of one year.

(e) Besides candidates, who were earlier given permission to appear directly in Second Year, candidates enjoing all other relaxations given before passing Second Year examination will be admitted to Third Year as per predefined time schedule.

11. NDDY (Final)- Third Year

This examination can be written by those who have qualified Intermediate (Second year) examination.

COMPULSORY RULES RELATING TO EXAMINATIONS

12. Viva shall constitute a compulsory part of written examination. Candidates who do not clear viva shall be declared unsuccessful into that year's examination. They will be required to fill up a fresh application form. Viva shall include evaluation of chart or model (10 marks), Practical work (20 marks), Internal Assesment (20 marks) and Oral questions (50 marks).
13. Medium of examinations shall be Hindi, English or Regional language.
14. No one is allowed to appear for two examinations of the Academy simultaneously.
15. Minimum gap of one year is essential between Diploma examinations.
16. **Every candidate to an examination of the Academy will be required to attend 90% lectures conducted by study centres of the acadamy.**

SCHEDULE OF EXAMINATIONS

17. Subject to other conditions in this regard, the Academy shall conduct all the examinations twice a year in the month of June and December.

APPLICATION FOR ADMISSION TO EXAMINATION

18. Candidates for the Samiti Examinations shall timely submit their applications direct to the Samiti. They can also submit their applications through the examination centre authorised for the purpose.
19. The students should attach true copies of the original certificates of minimum qualifications, date of birth, and two passport size photographs with the application form. The form duly filled in must reach the office of the Academy before the prescribed last date, otherwise he/she will not be allowed to take the examination.
20. A candidate is required to submit fresh Application Form issued by the Samiti. Typed or photostat forms will not be accepted. If the information given by the candidate is found incorrect at any stage, his/ her candidature will be rejected forthwith.
21. Applications for June and December Examination shall be submitted to the Academy Superintendent, Examination Centre by 31st March and 30st September respectively.
22. Form submitted after the last date will be received by the Samiti with late fee as mentioned below:

For June Exam:	**From 1st to 15th April**	**Rs. 150**
	From 16st to 30th April	**Rs. 300**
For December Exam:	**From 1st to 15st October**	**Rs. 150**
	From 16st to 31st October	**Rs. 300**

Note: No form will be accepted after the last dates mentioned above. Application form received after above dates shall be kept pending for next session, if so desired by the candidate. Change in rule or late fee etc. are under control of subcommittee. All failed students are allowed to submit their Application form (s) within 15 days after the declaration of result of the concerned session.

23. A student can exercise his choice of center for examination. However, if the Academy allots any other examination centre, then the candidate will be bound to appear from that center only. In case, a student wishes to change the centre he/she should submit an application in writing 30 days before the commencement of the examination with a fee of Rs. 500. Academy's decision on it will be final.

24. (a) Number of Written Papers: There shall be only one written paper hi Chikitsa Sahayak (I semester) Examination, two written papers for Chikitsa Sahayak (IInd semester). However, there will be two written papers for N. D. D. Y. First Year and N. D. D. Y. Second Year. There will be three written papers for N. D. D. Y. Final Examination, (b) Candidate appearing directly to the Second Year of N. D. D. Y. shall appear in three papers, (c) One Viva or oral examination is compulsory Internal Assessment, Practical works along with oral questions. Maximum marks for these will be as follows: 10, 20,20 and 50 respectively. Internal assessment by Center incharge carries maximum 20 marks,

25. EXAMINATION FEE SCHEDULE

Examinations	Amount (Rs.)
Prospectus and Application Form	100/
Chikitsa Sahayak -I Semester	800/
Chikitsa Sahayak -II Semester	900/
N. D. D. Y. First Year	1,000/
N. D. D. Y. Second Year	1,200/
N. D. D. Y. Second Year (Direct)	2,000/
N. D. D. Y. Final Year	1,400/
General Science	300/-
Rechecking Fee	300/
Late Fee	400/
Diploma Fee	500/
'Prakritik Upchar' Annual Subscription (compulsory)	150/

Class and Practical Fee To be decided by each Study Centre.

26. **Fee deposited once, shall not be refunded in any case. If a student submits proper reason for his/her absence in the examination within 15 days after the examination, his/her fee can be adjusted in the next examination, if the Academy so decides. Otherwise he/she will have to submit fresh application form along with the required examination fee.**
27. After the declaration of the result, candidate has to apply within a month for rechecking along with requisite fee.

DECLARATION OF RESULT

28. For Chikitsa Sahayak written exam and viva, the minimum pass marks for each is 33 percent. For NDDY written papers and viva minimum pass marks to be scored in each is 40 percent but the total of written papers and viva must be not less than 45 percent for qualifying in the exam. Those who fail will have to deposit prescribed fee again for re appearing in the exam.
29. Deciding the Division: Minimuni pass marks in written examination and viva for the two categories of examination is as follows:

(a) Chikitsa Sahayak

Pass Marks	33%
II Division	45%
I Division	60%
Distinction	75%

(b) N.D.D.Y. EXAMINATION

Pass Marks in papers 40% but aggregate 45%

II Division	45%
I Division	60%
Distinction	75%

30. Samiti will issue certificates after the Chikitsa Sahayak examination and Diploma after N. D. D. Y. Third Year. No separate certificate/ diploma will be issued for N. D. D. Y. First Year and N. D. D. Y. Second Year examinations. Only marks sheet will be issued after each year. Placement in divisions in respect of N. D. D. Y, shall be based on the total marks obtained in all the three examinations.
31. The students who want to work as Chikitsa Sahayak will take practical training for three months (after passing the Chikitsa Sahayak 1st semester and Chikitsa Sahayak 2nd semestar examinations) in some Clinic or Hospital recognised by the Academy. After having obtained experience certificate, they can get certificate as a Chikitsa Sahayak.
32. After completion of N.D.D.Y. final, each student will take practical training for six months in the centres recognised by Academy. On submission of certificate of successful completion of internship and a project report followed by an interview Diploma will be conferred, subject to good conduct and efficiency of the candidate.

SUPPLEMENTARY EXAMINATION

33. A candidate, who fails in one written paper and is not entitled to grace marks, can be allowed to appear in the following supplementary examination of that paper provided:

(a) He has scored minimum 30 percent marks in that paper,

(b) Gets through as per aggregate marks, and

(c) Pays fee of Rs. 300/- for supplementary examination.

34. In cases of misuse of knowledge and privilege, concerned. Natur-opathy Diploma holder or Naturopathy Assistant Certificate holder will himself be liable. The Academy reserves full right to cancel Diploma/Certificate and Registration of such Naturopathy practitioner.

35. Only the Executive Committee of the Academy has the final authority to amend the rule(s) relating to examinations.

36. Resolution of any legal dispute with Academy will be subject to the jurisdiction of Delhi Courts only.

SYLLABUS CHIKITSASAHAYAK

1st Semestar **M.M.-100**

(a) Definition of Nature Cure, Importance of Urulikanchan and other Nature Cure Centres; Experiments of Gandhiji in Nature Cure; Basic Principles of healthy life; Five Elements and their importance for body; Importance of Ram Nam & Brahamchary of Prohibition of Intoxicants, stimulants; Activities of Gandhi Smarak Prakritik Chikitsa Samity, etc.

(b) Properties of Mud and Water and their applications.

(c) Various types of treatment in Naturopathy.

Practical and Oral Examination **M.M.-100**

Ilnd Semestar

First Paper **M. M.-100**

(a) **Basic principles of Nature Cure:** Balance of food, Exercise, Rest etc; Use of five Basic Elements; Causes of diseases and their growth; Treatment of acute diseases and chronic diseases, and modes of cleansing the body.

(b) **Importance of Food in Nature Cure Treatment:** Balanced diet, when how much and what? Natural methods of cooking; Food adulteration; Effects of Chemical Fertilizers and Insecticides on food items; Method of Natural Farming and ways of preparing compost manure.

Second Paper **M. M.-100**

(a) Evil effects of medicines and addictions on health.

(b) Effects of Soil, Water, Air, food, and Sound pollution on body.

(c) Methods of Mud, Hydro and Massage therapies, Enema, Hip bath, Sitzbath, Spinal Bath, Steam Bath, Wet Sheet Pack, Different types of Packs and Baths, etc.

(d) Shat Karma, Yogasana, and Pranayam.

(e) Duties and Behaviour of a Chikitsa Sahayak.

(f) First Aid

Practical And Viva Examination **M.M.-100**

GENERAL SCIENCE

(For Non Bio group Students)

(1) **Biology:** Study of cell and different systems of body, Muscular skeleton, Joints, Digestive, Circulatory, Lymphatic, Respiratory, Urinary, Reproductive, Nervous, and Endocrine glands Skin, Sensory Organs and their structure and functions; Blood its composition and functions; Functions and structure of liver, heart, lungs, kidney, intestinal abdomin, brain, eyes, cells and bone morrow.

(2) **Microbiology:** Types of germs, bacteria and viruses and their relation with diseases, fermentation and decomposition.

(3) **Botany:** Photo Synthesis, structure and function of root, trunk and leaves. Difference between vegetation cell and human cell.

(4) **Physics:** Reflection and refraction of light, rays, structure of light and its utility, method of heat measurement, its importance in human life; latent heat and specific heat; density and relative density; seasons and pollution.

(5) **Chemistry:** Physical and chemical changes; Acid, Alkaline and salts; Functions, properties and composition of Oxygen, Hydrogen, Chlorine and Nitrogen; Solid, liquid and Gases; Matter compound and mixture; Water soft and hard.

N.D.D.Y. First Year

1. First Paper **M.M.-100**

(a) Philosophy of Nature Cure: What is health? Natural way of living; Principles of Nature Cure; Five Basic Elements of nature, their origin and use in Naturopathy; Vital Force, Toxins

(foreign matter); Definitions of Disease, Curing of Disease, Health, Labour, Rest, Exercise; Unity of body, Mind and Soul; Auto suggestion; Remedial Properties of Mud and Mud Treatment.

(b) History and Development of Nature Cure.

(c) Naturopathy and Comparative Study of Ayurved's Punch Karmas, Ritucharya with analysis of Tridosh.

2. Second Paper **M. M.-100**

(a) **Anatomy & Physiology:** Structure of cell and tissues, structure and function of all the systems of the body, including skin, blood and sensory organs.

(b) Environment & Ecology: Pollution-Air, Water and Sound; Adulteration of Food; Bio-degradation, deforestation; Impact of chemical fertilizers and pesticides on human beings; organic cultivation and methods of preparing compost manure.

Practical and Viva Examination M.M.-100

N.D.D.Y. Second Year

1. First Paper **M.M.-100**

(a) **Fasting:** Definition of fasting, difference between fasting and starvation; Types of fasting and its effects on the body; How to start fasting & breaking it; treatment of crisis during fast; complete fast, partial fast, monodiet, and Healing Crisis Conditions in which fast is prohibited.

(b) Complete study of Digestive System.

(c) **Nutrition:** Nutrition and its importance; Malnutrition, and Natural resistance through food digestion, absorption, assimilation.

(d) **Dietetics:** Classification of foods and drinks, Balanced diet; Processed or Preserved foods and their effects; Acidic and Alkalin food; Importance of food on different conditions, Germinated food: Combination of food and Principle of kalp; Importance of Vegitarian food.

2. Second Paper **M.M.-100**

(a) **Manipulative Therapy:** Scientific massage Theory, it curative effect on physiology, Skin, Muscular System, Circulatory system; Digestive system and nervous system; Conditions in which massage is prohibited; Effects on sensitive points and Accupressure points; and Types of massage,

(b) **Chromo therapy:** Brief history and importance; Spectrum, its

seven colours and their properties; Basic principles of chromo therapy; Method of charging air, water, oil, sugar, etc, in sun rays and their utility, etc; Primary and secondary colours, their uses and impact on body and chromo therapy; and Types of Sunbath.

(c) **Hydrotherapy:** Its inventor; Remedial properties of Water, Effects of water on the body organs; Techniques of Hydrotherapy; Various baths at different temperatures and their duration, and Different types of Enema, Packs, and fomentation.

Note: Question can be taken asked on contents of "Prakritik Upchar" issues and syllabus of Sahayak Chikitsak and N. D. D. Y. first year courses.

Practical and Oral Examination **M. M.-100**

N.D.D.Y. Third Year

1. First Paper **M. M.-100**

(a) Dignostic Methods (Traditional and Modern),

(b) Acute Diseases and Nature Cure Treatment

(c) Gynecology and Obstratics.

(d) Mother and Child Care, Care of Mother and New Born.

Second Paper **M. M.-100**

(a) Chronic Diseases: Nature Cure of all systems of the body.

(b) First Aid.

(c) Public Health and Hygiene.

d) Management of Nature Cure Hospitals Planning, Management, and Administration

3. Third Paper **M. M.-100**

Yoga and Shat Karma: Definition, Aims and Objects, Different types of Yoga; Philosophy of Yoga Sutra; Steps of Yoga (Ashtanga Yoga); Effects of Various Yogic Asanas on different systems of body, Techniques of Asanas; Curative effects of Asanas; Pranayams; Mudras; Bandh; Shatkriya; Difference between Yogic and Non-Yogic exercises; Surya Namaskar, Treatment of Diseases; Chakra, Meditation, etc.

4. Viva **M.M.-100**

Note: Questions can be asked on contents of "Prakritik Upchar", issue and syllabus of chikistsa Sahayak, and N. D. D. Y. 1st year and 2nd and 3rd Year Courses.

पाठ्य पुस्तकें

चिकित्सा सहायक – प्रथम सत्र

1. आरोग्य की कुंजी	गांधी जी
2. कुदरती उपचार	गांधी जी
3. रामनाम	गांधी जी
4. प्राकृतिक जीवन की ओर	एडोल्फ जस्ट
5. डॉ. वायु (वायु व प्राणायाम)	डॉ. ओंकार नाथ
6, डॉ. पृथ्वी	डॉ. ओंकार नाथ
7. मिट्टी, पानी का इलाज	डॉ. गौरी शंकर मिश्र
8. प्राकृतिक चिकित्सा विधि	डॉ. शरण प्रसाद
9. अभिनव प्राकृतिक चिकित्सा	डॉ. कुलरंजन मुखर्जी
10. डॉ. जल	डॉ. ओंकार नाथ

चिकित्सा सहायक – द्वितीय सत्र

1. आदर्श आहार (अथवा जो भी उपलब्ध हो)	डॉ. सतपाल ग्रोवर
2. भोजन और स्वास्थ्य	डॉ. ओंकार नाथ
3. वैज्ञानिक मालिश	डॉ. सत्यपाल ग्रोवर
4. डॉ. सूर्य	डॉ. ओंकार नाथ
5. डॉ. आकाश	डॉ. ओंकार नाथ
6. सरल प्राकृतिक चिकित्सा	डॉ. सुमेर चन्द्र गुप्ता
7. आकमिक दुर्घटनाओं की प्राकृतिक चिकित्सा	डॉ. गंगा प्रसाद गौड़ नाहर

(योग पर कोई भी प्रामाणिक पुस्तक योगासन, प्राणायाम तथा षटकर्म सहित)

एन.डी.डी.वाई. (प्रथम वर्ष)

1. शरीर रचना और क्रिया विज्ञान	डॉ. विमल मोदी
2. आकृति से रोगों की पहचान	लूई कून्हे
3. अभिनव प्राकृतिक चिकित्सा	डॉ. कुलरंजन मुखर्जी
अथवा	
4. प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान	डॉ. शरण प्रसाद
अथवा	
5. बुनियादी प्राकृतिक चिकित्सा	डॉ. सुखवीर सिंह
6. व्यवहारिक प्राकृतिक चिकित्सा	डॉ. हेनरी लिंडल्हार (अनु, डॉ. डी.पी. विजयवर्गीय)

7.	योग एवं प्राकृतिक उपचार	डॉ. प्रोमिला शर्मा
8.	प्राकृतिक चिकित्सा जीवन दर्शन	डॉ. राजीव रस्तोगी
9.	जीवनी शक्ति कैसे जगाएं	डॉ. चन्द्रदीप सिंह

एन.डी.डी.वाई. (द्वितीय वर्ष)

1.	उपवास	डॉ. जयनारायण जायसवाल
2.	उपवास से जीवन रक्षा	हर्बट एम. शेल्टन
3.	Fasting for Health	Bernarr Macfadden
4.	Philosophy & Practice of Nature Cure	Dr. Lindlahr
5.	खाद्य की नई विधि	डॉ. कुलरंजन मुखर्जी
6.	भोजन और स्वास्थ्य	डॉ. ओंकार नाथ
7.	मालिश का मर्म	एसण गोन्दिन्दन
8.	प्राकृतिक उपचार	डॉ. टी.एन, श्रीवास्तव

एन.डी.डी.वाई. (तृतीय वर्ष)

1.	बच्चों का स्वास्थ्य और उनके रोग	डॉ. विट्ठलदास मोदी
2.	शिशु रोगों की गृह चिकित्सा	डॉ. कुलरंजन मुखर्जी
3.	स्त्री रोगों की गृह चिकित्सा	डॉ. कुलरंजन मुखर्जी

अथवा

4,	स्त्री रोगों की सरल चिकित्सा	डॉ. शरण प्रसाद
5.	नये रोगों की गृह चिकित्सा	डॉ. कुलरंजन मुखर्जी
6.	पुराने रोगों की गृह चिकित्सा	डॉ. कुलरंजन मुखर्जी
7.	साधारण रोगों की यौगिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा	सी.सी.आर.वाई.एन.

अथवा

8.	रोगों की सरल चिकित्सा	डॉ. विट्ठलदास मोदी
9.	यौगिक योग पद्धति	गांधी स्मा. प्रा. चि, समिति
10.	Secrets of Health & Longivity	Dr. Omkar Nath
11.	Nature Cure of Common Diseases	Dr. V.D. Modi

सन्दर्भ पुस्तकें (Reference Books)

Note:- These standard books make Naturopathy efficient.

1. Human Life. Its Philosophy and Laws — Herbert M. Shelton
2. Fasting, Nutrition and Vitality — Carrington
3. Practical Nature Cure — K. Lakshman Sharma
4. Basic Principles of Natural Hygiene — Herbert M. Shelton
5. Rational Fasting — Pro. Arnold Ehret
6. Fasting for Health — Bemarr Macfadden
7. Pranayama — Swami Kuwalyananda
8. Philosophy & Practice of Nature Cure — Dr. Lindlahr
9. Everybody's Guide to Nature Cure — Harry Benjamin
10. Fasting Can Save Your Life — Herbert M. Shelton
11. Human Culture & Cure — Dr. E.D. Babbit
12. Mucusless Diet Healing System — Arnold ehret
13. Rational Hydrotherapy — Dr.J.H.Kellog
14. Return to Nature — Adolf Just
15. Your Diet in Health and Disease — Harry Benjamin
16. The New Dietetics — Dr. J.H.Kellog
17. Books on Yogs Asanas, Pranayamash etc.
    Published by Kaivalyadhama, Lonavala (DistL Pune)-410403
18. Asanas — Swamikuwalavananda
19. Food Combination Made Easy — Herbert M. Shelton
20. Superior Nutrition — Herbert M. Shelton
21. बुनियादी प्राकृतिक चिकित्सा — डॉण सुखवीर सिंह
22. रोगों की अचूक चिकित्सा — डॉण जानकीशरण वर्मा
23, नवीन चिकित्सा — महावीर प्रसाद पोद्दार
24. रोगों की सरल चिकित्सा — डॉण विट्ठलदास मोदी
25. योग रश्मि — डॉण रामेश्वर दास गर्ग

प्राप्ति स्थान

1. गांधी साहित्य केन्द्र, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, राजघाट, नई दिल्ली–110002
2. सर्व सेवा संघ प्रकाशन, राजघाट, वाराणसी (उ.प्र.)–221001
3. आरोग्य मंदिर, गोरखपुर–273003 (उ.प्र.)

प्रवृत्तियां

1. स्वस्थ जीवन (मासिक) का प्रकाशन (चंदा वार्षिक 150 रुपये तथा आजीवन 1500 रुपये)।
2. प्राकृतिक चिकित्सा का सदस्यता पंजीकरण।
3. प्राकृतिक चिकित्सा की परीक्षाओं का संचालन, शोध व समन्वय।
4. प्राकृतिक चिकित्सा की संस्थाओं और प्राकृतिक चिकित्सकों की डायरेक्टरी तैयार करना।
5. प्राकृतिक चिकित्सालयों के संचालन में सहयोग व मार्ग–दर्शन देना।
6. प्राकृतिक चिकित्सा एवं प्रशिक्षण शिविर, सेमिनार तथा सम्मेलनों का आयोजन तथा इन कार्यों में सहयोग करना।
7. प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को सरकार से मान्यता दिलाने का आयोजन तथा इन कार्यों में सहयोग करना।
8. प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्रों तथा प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण संस्थाओं के द्वारा रोग के निवारण के साथ ही रोगों की रोक–थाम द्वारा राष्ट्र भर में स्वास्थ्य के गिरते हुए स्तर को ऊपर उठाने का कार्य करना।
9. प्राकृतिक चिकित्सा के काम में लगे हुए व्यक्तियों और संस्थाओं पर सम्पूर्ण दृष्टि रखकर काम करने की प्रेरणा देना तथा एक दूसरे के अनुभव का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना।
10. प्राकृतिक चिकित्सा में लगे हुए लोगों को सम्मानित करना तथा अन्य चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों के समान उन्हें सम्मान प्राप्त कराना तथा मान्यता दिलाना।
11. गांधी जी चाहते थे कि प्रत्येक मनुष्य अपना चिकित्सक स्वयं बन सके। ऐसी सहज पद्धति से प्राकृतिक चिकित्सा चलाने की प्रेरणा देना एवं प्राकृतिक चिकित्सा को अधिाक खर्चीली बनाने से रोकने का प्रयास करना जिससे गरीब भी इसका लाभ उठा सके।

गांधी ने कहा...

बड़े कल-कारखानों के बजाय लघु एवं कुटीर उद्योग बढ़े। सभी को रोजगार मिले। विक्रेन्द्रिय अर्थव्यवस्था में ग्राम स्वालम्बन बढ़े। वर्ग-भेद मिटे। अपराध घटे। स्वालम्बन बढ़े। आकांक्षा, तृष्णा को कम कर सुखी जीवन बनाने का लक्ष्य बने। स्वराज्य, ग्राम-स्वराज्य तथा लोक-शक्ति स्थापित हो।

व्यक्ति अपने साधन-सम्पत्ति का मालिक नहीं हैं बल्कि एक ट्रस्टी के रूप में साधन-संपत्ति का उपयोग वह उतना ही करे जितना जीवन चलाने के लिए आवश्यक है। शेष साधनों को उपयोग अपने से कमजोर के लिए या समाज के हित में करे। ट्रस्टीशिप का सिद्धांत अनुपम देन।